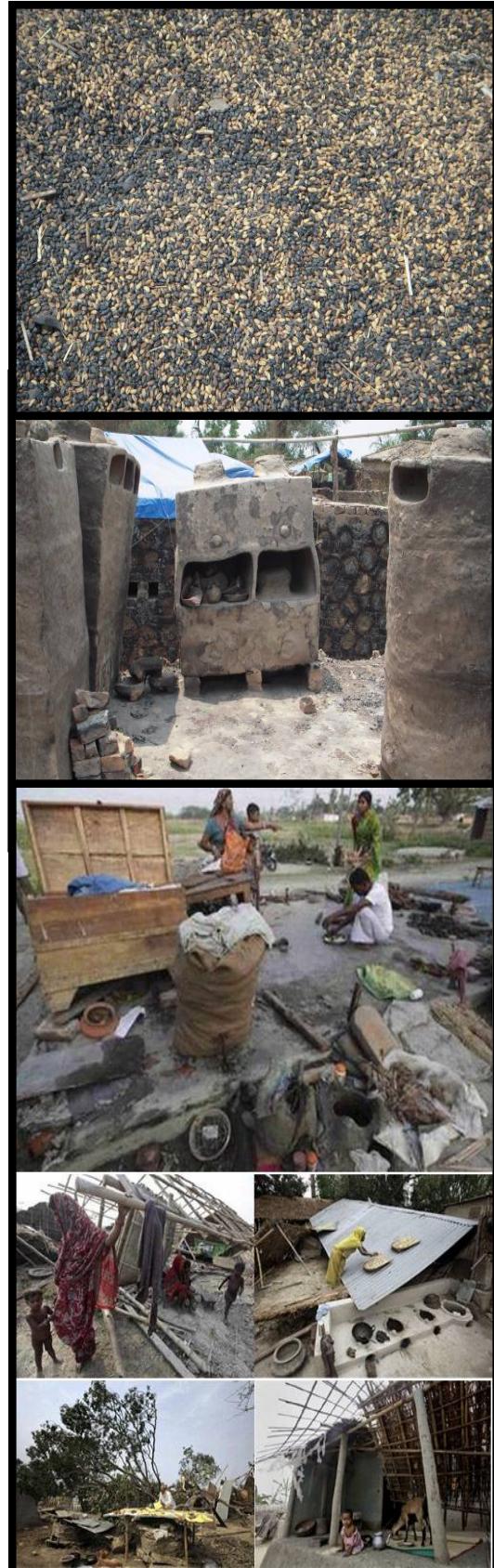


**A Photo Documentation & News of SSVK Fire & Cyclone  
Disaster Response in Madhubani (Bihar) April-July 2010  
Supported by AIDMI Ahmedabad & TAJ PSWTM Mumbai**

**After Fire Devastation...**



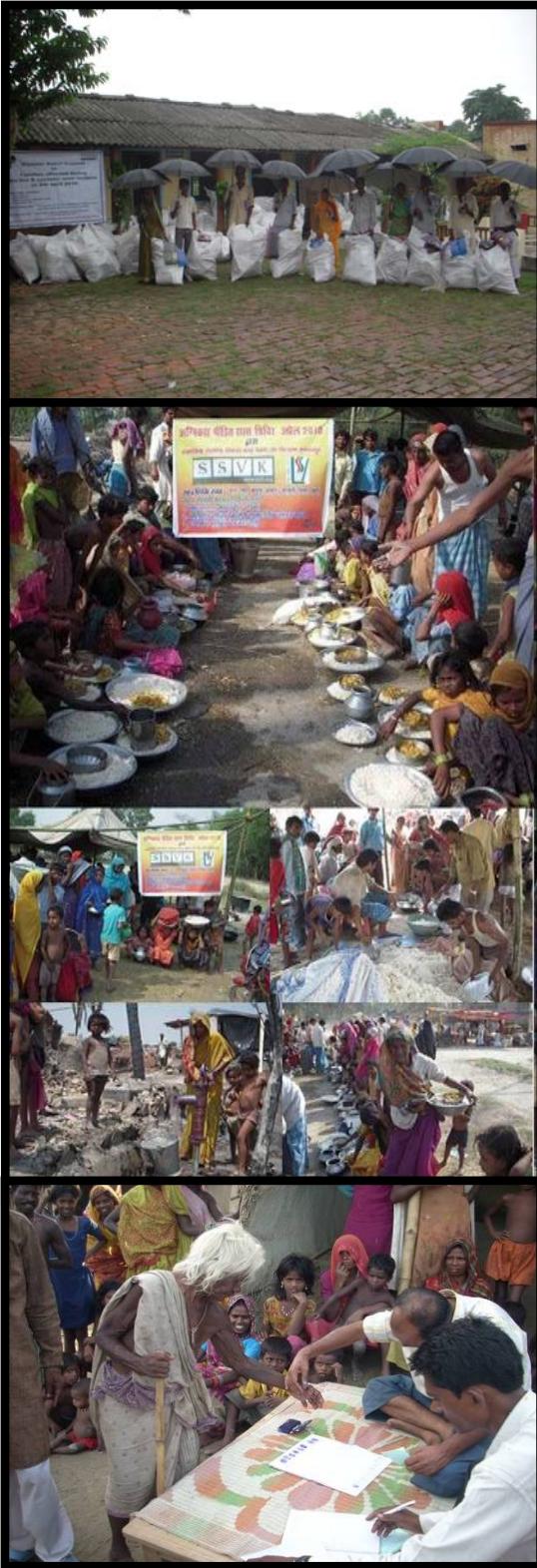




## After SSVK Relief & Rehab Intervention









## NEWS CLIPS

दैनिक हिन्दुस्तानी

### अग्निपीड़ितों को राहत सामग्री



अग्निपीड़ितों को भोजन करते संस्था के सदस्य • हिन्दुस्तान

झंडाखपुर। मधेपुर प्रखण्ड के डारह शैक्षणिक विकास केंद्र, पथराही के एवं बेहरा गांव में सामाजिक तत्वावधान में गत आठ अप्रैल से

ही अग्निपीड़ितों के लिए दोनों शाम भंडारा चलाया जा रहा है। दोनों गांव में कैम्प लगाकर पका पकाया भोजन आगे दितों को खिलाया जाता है। वह भी दाल भात व सब्जी। एसएसभी के दीपक भारती ने इस आशय की जानकारी देकर बताया कि अग्निपीड़ितों की सहायता करने के लिए आगे भी कई कार्यक्रम चलाया जायेगा।

जारी है राहत वितरण

झंडाखपुर। अनुमंडल के मधेपुर प्रखण्ड के बेहरा और डारह गांव के अग्निपीड़ितों की सहायता के लिए सरकारी तंत्र के अलावा विभिन्न स्वयंसेवी संगठन निरंतर काम कर रही है। सामाजिक शैक्षणिक विकास केंद्र एवं लोक शक्ति संगठन बलभद्रपुर के तत्वावधान में कैम्प लगा कर दोनों शाम पका पकाया भोजन अग्निपीड़ितों को परोसे जा रहे हैं। एसएसभी के सचिव दीपक भारती एवं अद्यक्ष सूर्य नारायण सहाय कहते हैं कि यह क्रम अप्रैल 7-8 दिनों तक लगा रहेगा। चार बायपकल भी गाड़ गये हैं।

मुजफ्फरपुर, अनिवार, 17 जुलाई, 2010 | हिन्दुस्तान 5 | मुजफ्फरपुर, 17 जुलाई, 2010 | दिनिक जागरण

### अग्निपीड़ितों के बीच बंटी राहत सामग्री



राहत प्रकेट के साथ बेहरा के अग्निपीड़ितों को दी गयी राहत सामग्री

**एक प्रतिनिधि**

मधेपुर के बेहरा गांव के अग्निपीड़ितों को दी गयी राहत सामग्री

श्री भारती ने बताया कि अप्रैल 2010 में बेहरा गांव में लगी आग में सैकड़ों परिवारों का घर जल गया था। उन्होंने बतायाकि प्राकृतिक आपदा में डूँगे शक्ति को पूर्ण भरपाई संघरण नहीं है। अब भी बेहरा में राहत कार्य चलाया जायगा। उन्होंने बताया कि बेहरा में दस परिवारों के एक कमटी दो कोटी एवं चार बिंचटल आवाल दिया गया है। कमटी के सदस्य आवश्यकता पड़ने पर कमटी से उधार में अनाज ले सकते एवं पुनः जाया कर सकते। इस अवसर पर स्थान के सचिव ने बताया कि अनाज बैंक की स्थापना के बाद पीड़ितों को अनाज के लिए भटकना नहीं पड़ेगा और आपात स्थिति में वे इसका उपयोग कर सकेंगे।

राहत प्रकेट का गठन भी किया गया जो अनाज बैंक को संभालेगा। अनाज बैंक में सदस्यों को आंदोलन से प्रति कमटी दो कोटी एवं चार बिंचटल आवाल दिया गया है। कुल 30 कमटी गठित की गई है। कमटी के सदस्य आवश्यकता पड़ने पर कमटी से उधार में अनाज ले सकते एवं पुनः जाया कर सकते। इस अवसर पर स्थान के सचिव ने बताया कि अनाज बैंक की स्थापना के बाद पीड़ितों को अनाज के लिए भटकना नहीं पड़ेगा और आपात स्थिति में वे इसका उपयोग कर सकेंगे।